

परिपत्र

जिन दिनों श्रद्धेय श्री महाराज जी दिल्ली में होंगे उन दिनों अन्य शहरों के साधकों के लिए श्रीरामशरणम् दिल्ली में रहने की सशर्त व्यवस्था निम्नलिखित नियमों के अनुसार की गई है।

श्रीरामशरणम् में जो साधक

1. सत्संग के लिए
2. साधना के लिए
3. श्री महाराज जी के दर्शनों के लिए
4. नाम दीक्षा लेने या दिलवाने के लिए
5. श्री अधिष्ठान जी लेने के लिए

रहना चाहते हैं वे अपने शहर के अधिकृत साधक से पहचान पत्र साथ ले कर आएँ। आने से पूर्व श्रीरामशरणम् दिल्ली के निम्नलिखित साधकों को आने की तिथि, समय व रहने के दिनों की पूर्व सूचना दें और उनके Confirm करने के पश्चात् ही अपना पहचान पत्र ले कर श्रीरामशरणम् दिल्ली आएँ।

- | | | |
|-------------------------|------------------------|--------------------------------------|
| 1. श्री अमित अरोड़ा | Mobile :- 098682-31237 |] Landline : 011-26965375
(Resi.) |
| 2. श्रीमति नीरजा अरोड़ा | Mobile :- 098682-31235 | |

उन्हीं साधकों को रहने की अनुमति होगी जिनकी Confirmation दी गई है। रहने की अनुमति भी Confirm की गई तिथियों के लिए होगी न कि आगे पीछे की तिथियों के लिए। किसी भी साधक को एक सप्ताह से अधिक रहने की अनुमति नहीं होगी। अगर कोई साधक एक सप्ताह से अधिक रहना चाहे उसे विशेष अनुमति लेनी होगी। यह रहने की व्यवस्था केवल श्रद्धेय श्री महाराज जी के दिल्ली प्रवास के दिनों में ही होगी।

श्रीरामशरणम् का मुख्य द्वार प्रातः 4.00 बजे से पहले या रात्रि 10.00 बजे के बाद किसी भी साधक के लिए नहीं खुलेगा। इसके लिए आग्रह भी न करें और न ही कोई विशेष कारण बता कर अनुमति मांग कर शर्मिन्दा होवें या करें। यही नियम साधकों के रुकने वाले स्थान के लिए भी लागू होगा।

यह रहने की अनुमति ऊपर लिखे गए कार्यों के लिए है न कि गाड़ी बदलने वालों के लिए या व्यापार व अन्य सांसारिक कार्यों के लिए आए साधकों के लिए। यहाँ केवल रहने की व्यवस्था है। चाय नाश्ता अर्थात् खान-पान की व्यवस्था साधक की अपनी होगी।

जिन दिनों दिल्ली में होली सत्संग या दिसम्बर का खुला सत्संग होगा उन दिनों किसी भी साधक को, इस व्यवस्था के अन्तर्गत रहने की अनुमति नहीं दी जा सकेगी।

पुनः निवेदन है कि यह रहने की व्यवस्था का केवल साधना करने के लिए ही प्रयोग हो।

धन्यवाद

श्रीरामशरणम् दिल्ली में प्रवास हेतु संशोधित नियम

जिन दिनों श्रद्धेय श्री महाराज जी दिल्ली में होंगे उन दिनों अन्य शहरों के साधकों के लिए श्रीरामशरणम् दिल्ली में रहने की सशर्त व्यवस्था निम्नलिखित नियमों के अनुसार की गई है।

श्रीरामशरणम् में जो साधक

1. सत्संग के लिए
2. साधना के लिए
3. श्री महाराज जी के दर्शनों के लिए
4. नाम दीक्षा लेने या दिलवाने के लिए
5. श्री अधिष्ठान जी लेने के लिए

रहना चाहते हैं वे अपने शहर के अधिकृत साधक से पहचान पत्र साथ ले कर आएँ। आने से पूर्व श्रीरामशरणम् दिल्ली के निम्नलिखित साधकों को आने की तिथि, समय व रहने के दिनों की पूर्व सूचना दें और उनके **Confirm** करने के पश्चात् ही अपना पहचान पत्र ले कर श्रीरामशरणम् दिल्ली आएँ। यह **Confirmation** कम से कम 3 दिन पहले ले लेवें। यदि कोई **Emergency** हो तो भी चलने से पहले **Confirmation** जरूर ले लेवें।

- | | | |
|-------------------------|------------------------|--------------------------------------|
| 1. श्री अमित अरोड़ा | Mobile :- 098682-31237 | } Landline : 011-26965375
(Resi.) |
| 2. श्रीमति नीरजा अरोड़ा | Mobile :- 098682-31235 | |

उन्हीं साधकों को रहने की अनुमति होगी जिनकी **Confirmation** दी गई है। रहने की अनुमति भी **Confirm** की गई तिथियों के लिए होगी न कि आगे पीछे की तिथियों के लिए। किसी भी साधक को एक सप्ताह से अधिक रहने की अनुमति नहीं होगी। अगर कोई साधक एक सप्ताह से अधिक रहना चाहे उसे विशेष अनुमति लेनी होगी। यह रहने की व्यवस्था केवल श्रद्धेय श्री महाराज जी के दिल्ली प्रवास के दिनों में ही होगी।

श्रीरामशरणम् का मुख्य द्वार प्रातः 4.00 बजे से पहले या रात्रि 10.00 बजे के बाद किसी भी साधक के लिए नहीं खुलेगा। इसके लिए आग्रह भी न करें और न ही कोई विशेष कारण बता कर अनुमति मांग कर शर्मिन्दा होवें या करें। यही नियम साधकों के रुकने वाले स्थान के लिए भी लागू होगा।

यह रहने की अनुमति ऊपर लिखे गए कार्यों के लिए है न कि गाड़ी बदलने वालों के लिए या व्यापार व अन्य सांसारिक कार्यों के लिए आए साधकों के लिए। यहाँ केवल रहने की व्यवस्था है। चाय नाश्ता अर्थात् खान-पान की व्यवस्था साधक की अपनी होगी।

जिन दिनों दिल्ली में होली सत्संग या नवम्बर में निर्वाण दिवस का खुला सत्संग होगा उन दिनों किसी भी साधक को, इस व्यवस्था के अन्तर्गत रहने की अनुमति नहीं दी जा सकेगी।

पुनः निवेदन है कि यह रहने की व्यवस्था का केवल साधना करने के लिए ही प्रयोग हो और नियमों का अक्षरशः पालन करें।

धन्यवाद